Antarvasna™
अन्तर्वासना

ट्रेन में भाई ने बहन की चुत को चोदा-1

“मेरे भाई जान मुझे मेरी फ़ूफी के घर छोड़ने जा रहे थे ट्रेन से... हमारा पूरा केबिन बुक था, मैं ऊपर वाली बर्थ पर सो गयी. कुछ देर बाद मुझे अपनी चूचियों पर किसी का हाथ चलता महसूस हुआ. फिर क्या हुआ ? ट्रेन में भाई बहन की चुदाई की कहानी का मजा लें !
”
...

Story By: (sexwithsali)
Posted: शुक्रवार, मई 11th, 2018
Categories: भाई बहन
Online version: ट्रेन में भाई ने बहन की चुत को चोदा-1

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

ट्रेन में भाई ने बहन की चुत को चोदा-1

हाय, मेरा नाम जूही है और मैं भारत में उत्तर प्रदेश से हूँ. हमारे परिवार में अब्बू और अम्मी के अलावा मेरा भाईजान भी हैं जो मुझसे 4 साल बड़े हैं. उनका नाम जहीर है. भाईजान की उम्र 22 साल की है और मेरी उम्र 18 साल की है. हम ओग एक अमीर घराने से ताल्लुक रखते हैं. मैं आज आपको अपनी एक सच्ची सेक्स स्टोरी सुनाने जा रही हूँ. मेरी फूफी के घर उनकी लड़की की शादी थी. अम्मी ने मुझे एक हफ्ते पहले ही उनके घर चले जाने को कहा. अम्मी ने कहा कि जूही तुम अपनी फूफी के घर पहले से चली जाओ.. उधर उनके काम में हाथ बंटाना. तो भाईजान मुझे फूफी के घर छोड़ने के लिए जा रहे थे.

हम लोगों ने ट्रेन में पूरा एक केबिन बुक करवा लिया था. पूरी रात का सफ़र था. दस बजे ट्रेन में हम लोग बैठे और ट्रेन चल दी. करीब 11 बजे जब मैं सोने लगी तो भाईजान ने कहा- जूही, तू आराम से लेट कर सो जा.
मैंने कहा- जी भाईजान, पर मैं ऊपर की बर्थ पर लेटूंगी.
भाईजान बोले- जहाँ तेरा मन करे, वहां लेट जा, पूरा केबिन बुक है.

फिर मैं ऊपर की बर्थ पर लेट गई और कुछ देर में ही सो गई. एकाध घंटे के बाद मुझे अपनी चूचियों पर किसी का हाथ चलता महसूस हुआ. मैंने आँख खोली तो केबिन में नाइट लैम्प रोशन था जिसकी हल्की रोशनी में मैंने देखा कि भाईजान खुद ही मेरे पास खड़े हैं और अपने एक हाथ को धीरे-धीरे मेरी एक चूची पर चला रहे हैं.

मैं अभी गुस्सा करके उनका हाथ झटकने ही वाली थी कि तभी मैंने सोचा कि देखती हूँ कि भाईजान आगे करते क्या हैं ?

करीब 8-10 बार मेरी पूरी चूची पर हाथ फेरने के बाद भाईजान ने दूसरी चूची को सहलाने

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

की कोशिश की, जो कि मेरे करवट से लेटने की वजह से दबी थी और उनकी पकड़ में नहीं आ रही थी.

अब तक मुझे भी मज़ा मिलने लगा था, इसलिए मैं खुद ही भाईजान से मज़ा लेने को बेकरार हो गई. भाईजान ने मेरी चूची को मेरी करवट के नीचे से निकालने की कोशिश की, पर निकाल ना सके.

तभी मुझे तरस भी आ गया कि भाई जान परेशान हो रहे हैं, क्यों न मजा लेने के लिए मैं खुद ही सोते होने का बहाना करते हुए करवट बदल लूँ. मैंने यही किया और सीधी लेट गई. भाईजान मेरे हिलने से कुछ देर तो खामोश रहे, फिर धीरे से पास आए और मुझे खामोशी से सोता देख कर उन्होंने मेरा सामने से खुलने वाले जंपर (कुर्ता) के ऊपर के तीनों बटन खोल दिए.

मेरा जम्पर ऊपर से लगभग पूरा खुला हो गया. भाईजान ने बहुत ही आहिस्ता से जंपर के दोनों सामनों को इधर-उधर कर दोनों चूंचियों को थोड़ा थोड़ा नंगा कर दिया. मैं अधमुंदी आँखों से भाईजान को देख रही थी. भाईजान कुछ देर तक मेरी दोनों चूंचियों को देखते रहे, फिर दोनों मम्मों पर अपने हाथ फेरने लगे.

भाईजान ने 8-10 बार हाथ से चूचों को सहलाने के बाद धीरे से एक चुचे को दबाया और झुककर बारी बारी से दोनों को अपने लब लगा कर चूमा और मुझे देखा मैं शांत पड़ी रही. तो भाईजान ने इसके बाद मेरे होंठों पर अपने होंठ रख दिए और मुझे अपनी गरम साँसों का अहसास कराते हुए हल्के से चूम लिया.

मैंने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी, तो उन्होंने मुझे चार बार चूमा और मेरे होंठों को अपने होंठों से मसला भी. मुझे बड़ा मजा आ रहा था, लेकिन मैं चुपचाप लेटी हुई गरम हो रही थी.

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

उसके बाद भाई ने मेरी सलवार के इज़ारबंद को खोल दिया और सलवार को ढीला करते हुए उसे नीचे कर दिया. लेकिन मेरी सलवार मेरे चूतड़ों के नीचे दबी थी, इसलिए ज्यादा नीचे नहीं हो सकी.. पर मेरी गुलाबी चड्डी में कसी हुई फूली चुत उनको दिखने लगी. मेरी रस छोड़ती पावरोटी सी फूली चुत को भाईजान कुछ देर प्यार से देखते रहे और अपनी जीभ को अपने होंठों पर यूं फेरते रहे जैसे किसी कुत्ते को मलाई की कटोरी दिख रही हो. फिर वे अपनी नाक को मेरी चुत के पास लाए और अन्दर की ओर तेज़ साँस ली.

या अल्लाह.. भाई जान अपनी बहन की चुत की खुशबू को सूंघ रहे थे. मुझे भाईजान की यह हरकत बहुत प्यारी लगी.

तभी भाईजान के मुँह से एक हल्की सी आवाज़ निकली- ओह.. आहह मेरी प्यारी बहन की चुत से कितनी मस्त करने वाली खुशबू आ रही है.
फिर उन्होंने मेरी चुत को हौले से चूम लिया.

उनका चुत का चूमना था कि मेरी नींद एकदम हराम हो गई. अब चुप रहना मेरे लिए मुश्किल था. मैंने सोचा कि जब भाईजान खुद ही यह सब चाहते हैं, तो मुझे भी खुल कर मज़ा लेना चाहिए. क्योंकि अगर मैं इनकार करूँगी तो भाईजान तो घर से बाहर किसी के साथ भी मज़े कर सकते हैं, पर मैं तो लड़की होने की वजह से शादी होने तक इस मज़े के लिए तरसती रहूंगी.. और अगर भाईजान ही मुझे चोदते हैं, तो कोई डर भी नहीं है. घर पर ही जब चाहो मज़ा ले लो.

यही सब सोचते हुए मैंने अपनी आँखें खोल कर उनके हाथ को पकड़ कर बोली- हाय भाईजान, यह आप क्या कर रहे हैं ?
मुझे जागता देख भाईजान घबरा गए और मेरे पास से अलग हुए.

मैंने कहा- हाय आपने मुझे नंगी क्यों कर दिया भाईजान ?

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

भाईजान घबराए से बोले- ओह्ह जूही मेरी बहन प्लीज़ तुम किसी से कहना नहीं, एम्म मुझे माफ़ कर दो.

मैंने सोचा कहीं ऐसा ना हो कि भाईजान डर जाएं और फिर मुझे मज़ा ही ना मिले इसलिए मैंने उनको अपनी सग़ी बहन को चोदने की हिम्मत बढ़ाने के लिए तैयार करने के इरादे से कहा- ओह्ह.. भाईजान मैं भला किसी से क्या कहूँगी, आपने कुछ किया तो है नहीं, भाईजान यह मेरी सलवार का ज़ारबंद और जंपर के बटन कैसे खुले हैं ?

“ओह्ह.. जूही पता नहीं.. एम्म मैं तो..”
“मैं समझ गई भाईजान.”
“तू क्या समझ गई ?”
“अरे भाईजान मेरी कई जंपरों के बटन लूज हैं.. जो अपने आप खुल जाते हैं और ज़ारबंद तो अक्सर सोते में खुल ही जाता है.”
“हां जूही यही तो मैं भी देख रहा था कि तुम्हारे कपड़े अपने आप खुल गए थे सोचा बंद कर दूँ.. कहीं कोई देख ना ले.”
“ओह्ह.. भाईजान आप कितना ख़याल रखते हैं अपनी छोटी बहन का..”
“हम्म..”
“सच अगर कोई आ जाता तो ? वैसे भाईजान दरवाज़ा तो बंद है ना ?”
“हां ठीक से बंद है और फिर पूरा केबिन बुक है, सुबह तक कोई नहीं आएगा.”
“भाईजान टाइम क्या हुआ है ?”
“अभी तो सिर्फ 11:30 हो रहा है.”

मैंने अभी तक अपने कपड़े सही नहीं किए थे और भाईजान मुझे देखे जा रहे थे. उनको इस तरह से अपनी ओर देखते हुए मैंने खुश होकर कहा- भाईजान, आप मुझे आज इस तरह से क्यों देख रहे हैं ?

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

"कुछ नहीं जूही आज तुम बहुत अच्छी लग रही हो."
"रोज़ नहीं लगती थी क्या ?"
"ऐसी बात नहीं पर तुम सच बहुत खूबसूरत लग रही हो."

"ओहह.. भाईजान आप तो मेरी झूठी तारीफ कर रहे हैं. मैं तो रोज़ ही ऐसी ही लगती थी. आज कोई ख़ास बात है क्या ?"
"पता नहीं पर घर पर तू जितनी अच्छी लगती थी, आज उससे ज़्यादा अच्छी लग रही है."
"हहूंन भाईजान आप तो बस.. क्या मैं अकेले में ज़्यादा खूबसूरत दिख रही हूँ ?"

भाईजान की हिम्मत मेरी बातों से बढ़ रही थी. वो बोले- तुम हो ही इतनी प्यारी की बस क्या बताएं, मन करता है कि अपनी प्यारी बहन को देखता ही रहूँ और...
भाईजान इतना कह कर रुके तो मैं कुछ कुछ समझती हुई बोली- और.. और क्या भाईजान.. आगे भी बोलो ना..
"कुछ नहीं."
"कुछ तो भाईजान.. बताइए ना ?"
"यही कि अपनी प्यारी बहन को देखता रहूं और उसे खूब प्यार करूँ."
"ओहह.. भाईजान आप तो मुझसे वैसे ही बहुत प्यार करते हैं. फिर उसमें कहने की क्या बात है."

इतना कह कर मैं नीचे उतरी तो भाईजान नीचे की सीट पर बैठ गए.

मैं उनके पास खड़ी होकर सलवार के ज़ारबंद को बाँधने को हुई, तो भाईजान ने कहा- लाओ, मैं बंद कर दूँ.
"ओह.. भाईजान मैं कर लूँगी ना."
"अरे तो क्या हुआ आख़िर तुम मेरी छोटी बहन हो."

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

“ठीक है भाईजान.”

फिर भाईजान ने ज़ारबंद पकड़ा और बाँधने की कोशिश करने लगे. मैंने देखा की उनकी नज़र मेरी चड्डी पर थी. ज़ारबंद उनके हाथ से छूट गया और सलवार नीचे गिर गई. मैं समझ गई कि भाईजान ने यह जानबूझ कर किया है.

मैं मन में खुश होती बोली- ओह.. भाईजान रहने दीजिए.. मैं ऐसे ही सो जाती हूँ, कोई आएगा तो नहीं ?
भाईजान मेरी बात सुन खुश होते बोले- नहीं जूही कोई नहीं आएगा तू ठीक कह रही है, तुम ऐसे ही सो जाओ.”

मैंने सलवार को ऊपर खींचा और बिना नाड़े को बांधे, नीचे की बर्थ पर ही लेट गई और कुछ देर बाद मैंने आँखें बंद कर लीं. करीब 5 मिनट ही मुझे इंतज़ार करना पड़ा और भाईजान ने मेरे मन की मुराद पूरी कर दी. उनके दोनों हाथ मेरी दोनों चूचियों पर आए और हल्के से दबाव के साथ सहलाने लगे.

मैंने कुछ देर उनको यह करने दिया और फिर उनके दोनों हाथों को अपने हाथ से पकड़ कर आँख खोल आकर बोली- ओह.. हाय भाईजान यह क्या कर रहो हो आप ?
इस बार मेरे कपड़े सही थे. भाईजान इस बार घबराए नहीं, पर खुलकर कुछ ना बोल कर धीरे से बोले- जूही मेरी प्यारी बहन.. मैं कुछ कर नहीं रहा बल्कि देख रहा हूँ !
“क्या देख रहे हो भाईजान ?”
“यही कि मेरी छोटी बहन तो पूरी जवान हो गई है. कितनी खूबसूरत हो गई मेरी बहन जवान होकर.”

“ओह.. हाय.. आपका मतलब क्या है भाईजान ?”
“अरे यही कि अब तो मुझे अपनी प्यारी बहन की शादी कर देनी चाहिए.”

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

“धत भाईजान आप भी..!”
“अरे पगली तू शर्मा क्यों रही है, आख़िर मैं तुम्हारा बड़ा भाई हूँ.. तो मेरी ही ज़िम्मेदारी है तुम्हारे हाथ पीले करने की.. तभी तो मैं देख रहा हूँ कि मेरी बहन कितनी जवान हुई है.”
मैं उनकी बात सुन मन में खुश होती बोली- आप बड़े वैसे हैं भाईजान.. मैं समझ रही हूं.
“क्या समझ रही हो ?”
“आप मुझे घर से भगाना चाहते हो.”
“अरे नहीं मेरी बहन.. मैं तो तुमको शादी के बाद भी ज़्यादा से ज़्यादा अपने घर में ही रखूँगा, हाय कितनी खूबसूरत हो तुम, मन करता है अपनी प्यारी बहन को खूब प्यार करूँ.”
“ओह भाईजान प्यार तो आप मुझसे करते ही हैं.”
“करता तो हूँ.. पर आज मैं पूरा प्यार करना चाहता हूँ और देखना चाहता हूँ कि मेरी छोटी बहन कितनी जवान हुई है ?”

भाईजान अभी भी खुलकर कुछ नहीं बोल रहे थे और मैं सोच रही थी कि अब वो खुलकर पूरा खेल शुरू करें.

तभी भाईजान ने एकाएक ही मेरी दोनों चूचियों को पकड़ लिया, तो मैं घबराती सी बोली- हाय क्या कर रहे हो भाईजान… छोड़ो ना.. मैं आपकी बहन हूँ.
“अरे तुम डरो नहीं.. देख रहा हूँ कि तुम कितनी जवान हुई हो, आख़िर तुम्हारी जवानी के हिसाब से ही तो मुझे तुम्हारे लिए लड़का ढूँढना है.”
मैं कसमसाती सी बोली- ओह.. हाय नहीं भाईजान.

पर भाईजान ने दोनों चूचों को कसकर दबाते कहा- हाय मर गया.. कितनी कड़क चूचियाँ हैं तेरी, तेरे लिए तू बहुत दमदार लड़का खोजना पड़ेगा.
मैं खुश होती बोली- भाईजान, मेरी सहेली जरीना के भाई ने भी अपनी बहन की जवानी को इसी तरह से चैक किया था, फिर उसकी शादी की थी.

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

"अरे वाह.. कैसे.. ज़रा पूरी बात बताओ ना ?"

"भाईजान जरीना बता रही थी कि उसके भाई ने उसे जवान होने पर खूब प्यार किया था और फिर उसकी शादी की थी. आप भी मुझे प्यार करेंगे क्या ?"
भाईजान खुश हो बोले- हां जूही, मैं तो कब से तुझे प्यार करने को सोच रहा था. आज मौका मिला है.
"ओह.. भाईजान आपने कभी बताया ही नहीं.. वरना मैं तो घर पर ही आपको मौका दे देती, मैं भी तू आपसे प्यार करती हूँ."

मेरी बात सुन भाईजान ने मुझे अपनी गोद में खींचा और कसकर दोनों चूचियों को दबाते मेरी जम्पर को उतारने लगे.
मैं बहानेबाज़ी करती बोली- नहीं, यह मत करिए ऐसे ही करिए ना.
"पगली कोई नहीं देख रहा है. मेरी जान सभी कपड़े उतारने से ही प्यार करवाने का असली मज़ा आता है."

मैं चुप रही तो जंपर उतारने के बाद भाई ने शमीज़ भी उतार दी, जिससे मेरी दोनों गोरी-गोरी चूचियाँ नंगी हो गईं, जिसे देख मेरा भाई खुश हो गया और मुझे सीट पर लिटा झुककर एक को मुँह से चूसते हुए दूसरी को दबाने लगा. मैं मज़ा लेने लगी और दस मिनट बाद भाई ने सलवार को उतारने की कोशिश की.. तो मैंने चूतड़ों को उठा दिया और अपनी सलवार के साथ चड्डी को भी खुद ही उतार दिया और अपनी मक्खन चुत को भाईजान के लिए नंगी कर दिया.

भाई एकटक मेरी चुत को देखने लगे.
मैंने उनसे पूछा- भाईजान क्या देख रहे हो ?
भाई खुश होकर बोले- ओह.. हाय कितनी प्यारी चुत है मेरी बहन की.
"शश.. भाईजान क्या मेरी चूचियाँ खूबसूरत नहीं हैं ?"

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

“अरे उनका तो जवाब ही नहीं. तुम तो पूरी की पूरी ही मस्त माल हो. आह.. मैं कितना खुशकिस्मत हूँ कि मुझे इतनी खूबसूरत बहन मिली.”

“नहीं भाईजान आप इसलिए खुशकिस्मत नहीं हैं कि आपको इतनी खूबसूरत बहन मिली.. बल्कि इसलिए हैं कि आपको अपनी इकलौती खूबसूरत जवान कुँवारी बहन के साथ प्यार करने का मौका मिला.”
“तुम सच कह रही हो. मैं एक साल से तुझे रोज़ देखता था और तुम्हारी इन खूबसूरत चूचियों को मसलना चूसना चाहता था, हाय आज दिल की मुराद पूरी हुई.”
“भाईजान, अगर आपने पहले कहा होता तो मैं आपकी मुराद पहले ही पूरी कर देती क्योंकि मेरी सभी सहेलियाँ अपने अपने छोटे बड़े भाईयों के साथ शादी वाला प्यार करती हैं और उनकी कहानी सुन सुन कर मेरा मन भी करता था कि काश मेरे प्यारे बड़े भैया मुझे भी खूब प्यार करें.”
“तो तुझे ही कहना चाहिए था. साल भर मैं तो मैं तुमको चोद चोद कर एकदम जवान कर देता.”

भाईजान ने अब पहली बार खुलकर चुदाई अल्फ़ाज़ का इस्तेमाल किया था. मैं भी खुलकर बोली- भाईजान अब पुरानी बातें छोड़ो और और अपनी छोटी बहन को चोद कर जवान कर दो.
“अरे साली तुम तो पूरी जवान हो ही, बस एक बार मेरे लंड से चुद जाओगी तो तेरा कुंवारापन खत्म हो जाएगा और लड़की से औरत बन जाओगी.”
“तो जल्दी से चोद कर बनाइए ना भाईजान.”

मेरे भाईजान ने मुझे यानि अपनी सगी बहन को कैसे चोदा, ये आपको अगले भाग में लिखूंगी.
तब तक आपके मेल का इन्तजार रहेगा.

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

sahinrehan98@gmail.com

कहानी जारी है.

कहानी का अगला भाग : ट्रेन में भाई ने बहन की चुत को चोदा-2

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

Other sites in IPE

Clipsage

URL: clipsage.com **Average traffic per day:** 66 000 GA sessions **Site language:** English **Site type:** Mixed **Target country:** India, USA

Hot Arab Chat

URL: www.hotarabchat.com **CPM:** Depends on the country - around 2,5$ **Site language:** Arabic **Site type:** Phone sex - IVR **Target country:** Arab countries Listing of phone sex services for Arabic speaking audience (web view).

Aflam Porn

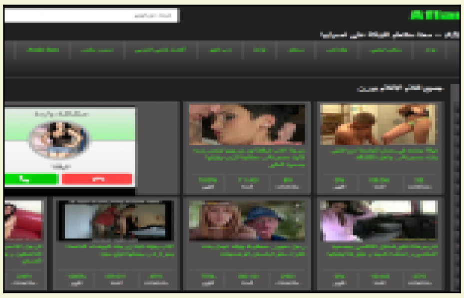

URL: www.aflamporn.com **Average traffic per day:** 270 000 GA sessions **Site language:** Arabic **Site type:** Video **Target country:** Arab countries Porn videos from various "Arab" categories (i.e Hijab, Arab wife, Iraqi sex etc.). The site in intended for Arabic speakers looking for Arabic content.

Wahed

URL: www.wahedsex.com/ **Average traffic per day:** 80 000 GA sessions **Site language:** Arabic **Site type:** Story **Target country:** Arab countries The largest library of hot Arabic sex stories that contains the most beautiful diverse sexual stories written in Arabic.

Indian Gay Site

URL: www.indiangaysite.com **Average traffic per day:** 52 000 GA sessions **Site language:** English **Site type:** Mixed **Target country:** India We are the home of the best Indian gay porn featuring desi gay men from all walks of life! We have enough stories, galleries & videos to give you a pleasurable time.

Suck Sex

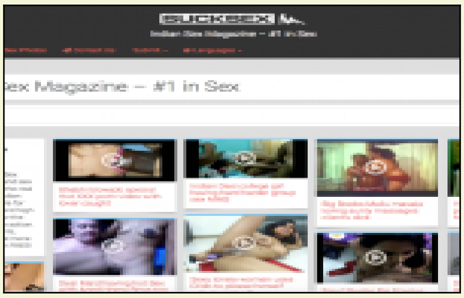

URL: www.sucksex.com **Average traffic per day:** 250 000 GA sessions **Site language:** English, Hindi, Tamil, Telugu, Marathi, Malayalam, Gujarati, Bengali, Kannada, Punjabi, Urdu **Site type:** Mixed **Target country:** India The Biggest & most complete Indian Sex Magazine for Indian Sex stories, porn video, and sex photos. You will find the real desi actions in our Indian tubes, lusty stories are for your entertainment and high-resolution pictures for the near vision of the sex action.

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire